समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 11 September 2026

नाशिक के Tapovan मे “साधु ग्राम” परियोजना के लिए वृक्ष कटाई को लेकर विरोध तेज

Publisher

Published on 01 Dec 2025

नाशिक के Tapovan इलाके में प्रस्तावित “**साधु ग्राम**” **परियोजना** के लिए पेड़ों की कटाई को लेकर विवाद गर्मा गया है। इस परियोजना के तहत इलाके में बड़े पैमाने पर विकास और निर्माण कार्य किए जाने की योजना है, जिसके कारण कई पुराने और हरे-भरे पेड़ों को काटने की तैयारी चल रही है। स्थानीय नागरिकों, पर्यावरण प्रेमियों और सक्रिय समुदाय ने इस कदम का विरोध तेज कर दिया है और प्रशासन से इसे रोकने की मांग की है।

स्थानीय समुदाय का कहना है कि Tapovan का यह इलाका न केवल शहर की हरित फेफड़ों के रूप में महत्वपूर्ण है, बल्कि यह जलवायु और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाता है। पेड़ों की कटाई से न केवल प्राकृतिक आवास प्रभावित होगा, बल्कि स्थानीय जैव विविधता और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। नागरिकों का मानना है कि इस तरह के बड़े निर्माण कार्य से वायु गुणवत्ता और जल स्त्रोतों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि पेड़ों की कटाई से मिट्टी का अपरदन, जलस्त्रोतों की कमी और मौसमीय असंतुलन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। उनका कहना है कि शहर में हरित क्षेत्र घटने से गर्मी की तीव्रता बढ़ेगी और स्थानीय इकोसिस्टम पर स्थायी असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि किसी भी विकास परियोजना के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) और समुदाय की सहमति महत्वपूर्ण है, और इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

विरोध प्रदर्शन में स्थानीय नागरिकों, छात्रों और सामाजिक संगठनों ने भाग लिया है। उन्होंने शहर प्रशासन और राज्य सरकार से अपील की है कि परियोजना को लागू करने से पहले व्यापक विचार-विमर्श और पर्यावरणीय अध्ययन किया जाए। सोशल मीडिया और स्थानीय न्यूज़ चैनलों पर भी इस मुद्दे को लेकर व्यापक चर्चा देखने को मिल रही है। कई लोगों ने इस परियोजना को रोकने के लिए हस्ताक्षर अभियान और ऑनलाइन पिटिशन भी शुरू की है।

प्रशासन की ओर से कहा गया है कि परियोजना में पर्यावरणीय सुरक्षा और स्थानीय समुदाय के हितों का ध्यान रखा जाएगा। हालांकि, विरोध प्रदर्शन यह दिखा रहा है कि जनता और स्थानीय समुदाय के लिए इस परियोजना की पारदर्शिता और पर्यावरण

संरक्षण प्राथमिकता में नहीं है। अधिकारियों ने कुछ पर्यावरणीय उपायों और वृक्षारोपण कार्यक्रमों का प्रस्ताव रखा है, लेकिन नागरिक और विशेषज्ञ इसे पर्याप्त नहीं मान रहे हैं।

Tapovan के लोग इस मुद्दे को लेकर काफी संवेदनशील हैं क्योंकि यह इलाका न केवल नाशिक शहर का हरा-भरा क्षेत्र है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। स्थानीय नागरिकों का जोर है कि कोई भी परियोजना विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों और हरित क्षेत्र को नुकसान नहीं पहुंचा सकती।

यह विवाद न केवल स्थानीय प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद का परीक्षण है, बल्कि यह पूरे नाशिक शहर में पर्यावरणीय जागरूकता और सतत विकास पर भी सवाल उठाता है। यदि प्रशासन और परियोजना संचालक समुदाय की चिंताओं को गंभीरता से नहीं लेते हैं, तो आने वाले समय में यह मुद्दा और भी व्यापक रूप ले सकता है। इस संघर्ष में नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों की भूमिका अहम मानी जा रही है, जो शहर के हरे-भरे वातावरण को सुरक्षित रखने के लिए लगातार आवाज़ उठा रहे हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.